आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

भानिवार 22.03.2025 **समय 1830**

मुख्य समाचार :–

- **आज विश्व जल दिवस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– जल सभ्यताओं की जीवन रेखा रहा है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है।**
- **मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– राज्य सरकार, प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के संकल्प को ध्यान में रखते हुए सेवाभाव के साथ कार्य कर रही है।**
- **केदारनाथ यात्रा के लिए आज से घोड़ा–खच्चरों की स्वास्थ्य की जांच और पंजीकरण शुरू।**
- **चंपावत जिले के मां पूर्णागिरि मेले में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।**

विश्व जल दिवस

आज विश्व जल दिवस है। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक सभी के लिए पानी और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। इस वर्ष का विषय है ग्लेशियर संरक्षण। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल, सभ्यताओं की जीवन रेखा रहा है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है।

विश्व जल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड न केवल अनेक पवित्र नदियों का उद्गम स्थल है, बल्कि जलस्रोतों की अपार संपदा से भी समृद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जल संसाधनों के संरक्षण और इनके पुनर्जीवन के लिए प्रयासरत है, ताकि यह अनमोल धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित रह सके।

मुख्यमंत्री पत्रकार वार्ता

प्रदेश सरकार के तीन साल पूरा होने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि इन तीन सालों में राज्य सरकार ने कई विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है और हम उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, दंगारोधी कानून और सख्त भू–कानून लागू करने सहित राज्य के विकास के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को ध्यान में रखते हुए सेवाभाव के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निरंतर बढ़ता निवेश स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रहा है।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, आज देहरादून में 14–डोगरा बटालियन के प्लेटिनम जुबली समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बटालियन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए सेवारत सैनिकों की प्रतिबद्धता, निस्वार्थ समर्पण और सेवा की सराहना की और पूर्व सैनिकों के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 14 डोगरा बटालियन, भारतीय सेना की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जो राष्ट्र सेवा और मातृभूमि की रक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण भाव दर्शाती

है। यह बटालियन न केवल सीमाओं की सुरक्षा में तत्पर रही है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियानों और राष्ट्रीय आपदाओं में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने सेना डाक सेवा कोर द्वारा 14–डोगरा बटालियन स्पेशल डे कवर का विमोचन किया और बटालियन को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

घोड़ा–खच्चर पंजीकरण

केदारनाथ यात्रा के लिए आज से घोड़ा–खच्चरों की स्वास्थ्य की जांच और पंजीकरण शुरू हो गए हैं। आगामी 10 अप्रैल तक रुद्रप्रयाग जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर पशुपालन विभाग, एक कंपनी की मदद से घोड़ा–खच्चरों का पंजीकरण करेगा। पहले चरण में यात्रा के लिए 5 हजार घोड़ा–खच्चरों का पंजीकरण किया जाएगा। इस बार, घोड़ा–खच्चरों पर इंटरनल टैग भी लगाया जा रहा है, जिसे स्कैन करने पर पशु के स्वास्थ्य, पशु संचालक और पशु स्वामी के बारे में जानकारी मिलेगी। यात्राकाल में घोड़ा–खच्चरों की निगरानी के लिए पैदल मार्ग पर टॉस्क फोर्स तैनात की जाएगी। आगामी 2 मई से शुरू हो रही केदारनाथ यात्रा में इस बार घोड़ा–खच्चरों के संचालन की व्यवस्था को और बेहतर किया जा रहा है। ऊखीमठ ब्लॉक के पिठोरा में पशु जांच और पंजीकरण शिविर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शिविरों में घोड़ा–खच्चरों के स्वास्थ्य की जांच के साथ ही बीमा किया जाएगा। साथ ही घोड़ा–खच्चर के स्वामी और संचालक की जानकारी भी पंजीकृ त की जाएगी। मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. आशीष सिंह रावत ने बताया कि जिले के अगस्त्यमुनि, जखोली और ऊखीमठ ब्लॉक के अलग–अलग स्थानों पर कुल 32 शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें यात्रा के लिए घोड़ा–खच्चरों का पंजीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य जांच की रिपोर्ट के आधार पर पशुओं को यात्रा के लिए पंजीकृत किया जाएगा। साथ ही घोड़ा–खच्चरों के गले की त्वचा की इंजेक्शन से इंटरनल टैग स्थापित किया जाएगा।

पूर्णागिरि मेला

उत्तर भारत में प्रसिद्ध चंपावत जिले के मां पूर्णागिरि मेले में उत्तराखंड के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन व पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए तीन स्थान पर अस्थायी थाने खोलने के साथ ही भीड़ नियंत्रण को लेकर जगह–जगह बैरिकेट की व्यवस्था की गई है। जिले के पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह राणा ने बताया कि पूर्णागिरि मेले में प्रतिदिन 30 से 35 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिसके लिए पुलिस–प्रशासन द्वारा व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। मेले में आए श्रद्धालुओं का कहना है कि सरकार की ओर से मेले में अच्छी व्यवस्था की गई है। वहीं, मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से व्यापारियों को भी लाभ हो रहा है। उनका कहना है कि मेले से उन्हें सालभर की आमदनी हो जाती है।

सिलेंडर आग

बागेश्वर जिले के मंडलसेरा इलाके में आज घर में उपयोग हो रहे एक गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई, जिससे एक बच्ची समेत छह लोग झुलस गए। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं डॉक्टरों के अनुसार, घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य झुलसे हुए सभी लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया है और उनकी हालत ठीक है।